INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

रेलवे (RRB)

सहायक लोको पायलट (ALP)

CBT – 1

भाग – 2

सामान्य जागरूकता (GK)

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स **"RRB सहायक लोको पायलट (ALP)"** को एक विभिन्न अपने - अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है। ये नोट्स पाठकों को **रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा **"सहायक लोको पायलट (ALP) CBT–I** में सफलता पाने के लिए पूर्ण संभव मदद करेंगे।

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स मे कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूची पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : https://www.infusionnotes.com

WhatsApp करें – https://wa.link/oxtupt

Online order करें – https://shorturl.at/nuyzB

मूल्य : (₹)	**संस्करण : नवीनतम**

क्र.सं.	अध्याय	पेज
1.	संविधान सभा एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	1
2.	भारतीय संविधान की विशेषताएँ	5
3.	उद्देशिका (प्रस्तावना)	7
4.	मौलिक अधिकार	9
5.	नीति निदेशक तत्व	14
6.	मूल कर्तव्य	16
7.	राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति	16
8.	संघीय विधानमंडल (संसद)	21
9.	प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद	27
10.	उच्चतम न्यायालय	28
11.	राज्य कार्यपालिका (राज्यपाल)	29
12.	मुख्यमंत्री, राज्य महाधिवक्ता, राज्य विधानमण्डल	31
13.	उच्च न्यायालय	37
14.	पंचायती राज	39
15.	निर्वाचन आयोग	44
16.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	45
17.	नीति आयोग	46

18.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	47
19.	संविधान संशोधन	48
	भारत का भूगोल	
1.	भारत की स्थिति व विस्तार	49
2.	भारत का भौतिक विभाजन	54
3.	मानसून तंत्र व वर्षा का वितरण	68
4.	प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	71
5.	भारत के वन एवं वन्य जीव, वनस्पति	81
6.	प्रमुख फसलें	84
7.	प्रमुख खनिज	87
8.	प्रमुख औद्योगिक प्रदेश	91
	विश्व भूगोल	
1.	ब्रह्माण्ड एवं सौरमंडल	98
	इतिहास	
1.	सिन्धु घाटी सभ्यता	119
2.	वैदिक काल	122
3.	बौद्ध धर्म, जैन धर्म, शैव धर्म	125

4.	महाजनपद काल	130
5.	मौर्य काल एवं मौर्योत्तर काल	131
6.	गुप्त काल एवं गुप्तोत्तर काल	134
7.	कुषाण वंश एवं सातवाहन राजवंश	136
	मध्यकालीन भारत	
1.	अरबों का सिन्ध पर आक्रमण	138
2.	दिल्ली सल्तनत के प्रमुख राजवंश	140
3.	बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य	149
4.	मुगल साम्राज्य (1526-1707)	151
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	यूरोपीय कम्पनियों का आगमन	159
2.	अंग्रेजों की राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियाँ	164
3.	1857 की क्रांति	170
4.	भारत में राष्ट्रीय जागरण या आंदोलन	172
5.	गाँधी युग और असहयोग आंदोलन	175
	भारतीय संस्कृति	
1.	संस्कृति के कुछ महत्वपूर्ण विषय	180

2.	भारतीय नृत्य कलाएँ	182
	अर्थशास्त्र	
1.	अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणाएँ	184
2.	राष्ट्रीय आय और उत्पाद	185
3.	मुद्रा एवं बैंकिंग	186
4.	बजट एवं बजट निर्माण	188
5.	वस्तु एवं सेवा कर	193
6.	गरीबी एवं बेरोजगारी	196
7.	विविध ज्ञान • महत्वपूर्ण दिवस • पुस्तकें एवं लेखक • खेल • राजधानी • मुद्राएँ • GI Tags • राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वस्तुएं • विभिन्न स्थानों के नाम परिवर्तन इत्यादि	

भारतीय संविधान

अध्याय - I

संविधान सभा एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**

कम्पनी का शासन [1773 से 1858 तक]

1773 का रेगुलेटिंग एक्ट

- इस अधिनियम द्वारा **बंगाल के गवर्नर** को **'बंगाल का गवर्नर जनरल** कहा गया।
- इसके द्वारा मद्रास एवं बंबई के गवर्नर 'बंगाल के गवर्नर जनरल के अधीन हो गये ।
- इसके अन्तर्गत कलकत्ता में 1774 में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई। जिसका क्षेत्राधिकार कलकता था ।
- इसके द्वारा ब्रिटिश सरकार का 'कोर्ट आफ डायरेक्टर्स' के माध्यम से कम्पनी पर नियंत्रण सशक्त हो गया ।
- **बंगाल का पहला गवर्नर जनरल लार्ड वारेन हेस्टिंग्स थे।**
- कलकत्ता सर्वोच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश **'एलिजा इम्पे'** थे।

1784 का पिट्स इंडिया एक्ट

- इस एक्ट को एक्ट ऑफ सैटलमेण्ट के नाम से भी जाना जाता है।
- इसने कम्पनी के राजनैतिक एवं वाणिज्यिक कार्यों को पृथक कर दिया।
- भारत में कम्पनी अधीन क्षेत्र को पहली बार ब्रिटिश अधिपत्य का क्षेत्र कहा गया।
- ब्रिटिश सरकार को भारत में कम्पनी के कार्यो और इसके प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान किया गया ।

1833 का चार्टर अधिनियम

- इस अधिनियम ने **बंगाल के गवर्नर को भारत का गवर्नर जनरल बना दिया।**
- इसने मद्रास एवं बंबई के गवर्नरों को विधायिका सबंधी शक्ति से वंचित कर दिया ।
- **लार्ड विलियम बेंटिक भारत के प्रथम गवर्नर जनरल थे।**

1853 का चार्टर अधिनियम

- 1793 से 1853 के दौरान ब्रिटिश संसद द्वारा पारित किये गये चार्टर अधिनियम के श्रृंखला में अधिनियम अन्तिम था।
- इसने पहली बार गवर्नर जनरल के विधायी एवं प्रशासनिक कार्यो को अलग कर दिया ।
- इसने सिविल सेवकों की भर्ती एवं चयन हेतु खुली प्रतियोगिता व्यवस्था का शुभारम्भ कर दिया।
- **इसने पहली बार भारतीय केन्द्रीय विधान परिषद् में स्थानीय प्रतिनिधित्व प्रारम्भ किया ।**

ताज का शासन [1858 से 1947 तक]

- 1858 का भारत शासन अधिनियम ।
- 1861, 1892 और 1909 के भारत परिषद् अधिनियम ।
- भारत शासन अधिनियम, 1919
- भारत शासन अधिनियम, 1935
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

1858 का भारत शासन अधिनियम

- भारत के शासन को अच्छा बनाने वाला अधिनियम नाम के प्रसिद्ध इस कानून ने ईस्ट इंडिया कम्पनी को समाप्त कर दिया ।
- इसके तहत भारत का शासन सीधे महारानी विक्टोरिया के अधीन चला गया ।
- **गवर्नर जनरल पद का नाम बदलकर भारत का वायसराय कर दिया गया ।**
- **लार्ड कैनिंग भारत के प्रथम वायसराय बने ।**
- एक नए पद **'भारत के राज्य सचिव'** का सृजन किया गया।

1861 के भारत परिषद् अधिनियम

- 1862 में लार्ड कैनिंग ने तीन भारतीयों- बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा और सर दिनकर राव को विधान परिषद् में मनोनीत किया ।
- इस अधिनियम में मद्रास और बंबई प्रेसिडेंसियों को विधायी शक्तियां पुनः देकर विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत की ।
- बंगाल उत्तर पश्चिम सीमा प्रान्त और पंजाब में क्रमशः 1862, 1866 और 1897 में विधान परिषदों का गठन हुआ।

1892 का अधिनियम

- इसके माध्यम से केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान परिषदो में गैर सरकारी सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई ।
- इसने विधान परिषदो के कार्यों में वृद्धि कर उन्हें बजट पर बहस करने के लिए अधिकृत किया।

1909 के अधिनियम

- **इस अधिनियम को मार्ले मिन्टो सुधार के नाम से जाना जाता है ।**
- इसने केन्द्रीय एवं प्रान्तीय विधान परिषदों के आकार में काफी वृद्धि की जिसके परिणामस्वरूप परिषदों की संख्या 16 से 60 हो गई ।
- इसने दोनों स्तरों पर विधान परिषदों की चर्चाओं का दायरा बढ़ाया ।
- **सतेन्द्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यपालिका परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य बने ।**
- इस अधिनियम में पृथक निर्वाचन के आधार पर **मुस्लिमों के लिए साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व का प्रावधान** किया।

भारत शासन अधिनियम 1919

- इसने प्रांतीय विषयों को पुनः दो भागों में विभाजित किया– **हस्तान्तरित और आरक्षित ।**
- इस अधिनियम ने पहली बार देश में द्विसदनीय व्यवस्था और प्रत्यक्ष निर्वाचन की व्यवस्था आरम्भ की । प्रत्यक्ष निर्वाचन से तात्पर्य आम जनता द्वारा सीधे मत देकर अपना प्रतिनिधि चुनने से है ।
- इसके अनुसार कार्यकारी परिषद् के 6 सदस्यों में से 3 सदस्यों का भारतीय होना आवश्यक है।
- इससे लोक सेवा आयोग का गठन किया गया ।
- इसने पहली बार केन्द्रीय बजट राज्यों के बजट से अलग कर दिया
- इसके अन्तर्गत एक वैधानिक आयोग का गठन किया गया ।

भारत सरकार अधिनियम 1935

- **इसमें 321 धारा व 10 अनुसूचियां** थी।
- इसने **अखिल भारतीय संघ की स्थापना की**
- इस अधिनियम में केन्द्र एवं इकाइयों के बीच **तीन सूचियों संघीय सूची** (59 विषय), **राज्य सूची** (54 विषय), और **समवर्ती सूची (**दोनो के लिए, 36 विषय) के आधार पर शक्तियों का बटवारा किया
- संघ सूची – ऐसे विषय जिनपर केवल केन्द्र कानून बना सकता है ।
- राज्य सूची –ऐसे विषय जिनपर केवल राज्य कानून बना सकते हैं ।
- समवर्ती सूची –ऐसे विषय जिनपर केन्द्र व राज्य दोनों सरकार कानून बना सकती हैं ।
- इसने केन्द्र में द्वैध शासन प्रणाली का शुभारंभ किया और प्रान्तों में द्वैध शासन व्यवस्था समाप्त कर दी
- इसने 11 राज्यों में से 6 में द्विसदनीय व्यवस्था प्रारम्भ की।
- इसने भारत शासन अधिनियम 1858 द्वारा स्थापित भारत परिषद् को समाप्त कर दिया ।
- **इसके अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई ।**
- इसके तहत 1937 में संघीय न्यायालय की स्थापना हुई ।

भारत स्वतंत्रता अधिनियम 1947

- इसने भारत में ब्रिटिश राज को समाप्त कर दिया, 15 अगस्त 1947 को इसे स्वतंत्र एवं सम्प्रभु राष्ट्र घोषित कर दिया ।
- इसने भारत का विभाजन कर दो स्वतंत्र राष्ट्र भारत और पाकिस्तान का सृजन किया।
- इस कानून ने ब्रिटेन में भारत सचिव का पद समाप्त कर दिया ।
- **इसने 15 अगस्त 1947 से भारतीय रियासतों पर ब्रिटिश संप्रभु को समाप्ति की घोषणा की ।**
- इसने शाही उपाधि से 'भारत का सम्राट' शब्द समाप्त कर दिया।

अंतरिम सरकार

जवाहर लाल नेहरू - स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमंडल (1947)
सरदार वल्लभभाई पटेल - गृह, सूचना एवं प्रसारण
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद - खाद्य एवं कृषि
जॉन मथाई - उद्योग एवं नागरिक आपूर्ति
जगजीवन राम - श्रम
सरदार बलदेव सिंह - रक्षा
सी. एच. भाभा - कार्य, खान एवं उर्जा
लियाकत अली खां - वित्त
अब्दुर रख निश्तार - डाक एवं वायु
आसफ अली - रेलवे एवं परिवहन
सी. राजगोपालाचारी - शिक्षा एवं कला
आई. आई. चुंदरीगर - वाणिज्य
गजनफर अली खान - स्वास्थ्य
जोगेंद्र नाथ मंडल - विधि

स्वतंत्र भारत का पहला मंत्रिमण्डल (1947)

जवाहर लाल नेहरू	- प्रधानमंत्री, राष्ट्रमण्डल तथा विदेशी मामलों
सरदार वल्लभभाई पटेल	- गृह, सुचना एवं प्रसारण, राज्यों के मामले
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	- खाद्य एवं कृषि
मौलाना अबुल कलाम आजाद	- शिक्षा
डॉ. जॉन मथाई	- रेलवे एवं परिवहन
आर. के. षणमुगम शेट्टी	- वित्त
डॉ. बी. आर. अंबेडकर	- विधि
जगजीवन राम	- श्रम
सरदार बलदेव सिंह	- रक्षा
राजकुमारी अमृत कौर	- स्वास्थ्य
सी. एच. भाभा	- वाणिज्य
रफी अहमद किटवई	- संचार
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	- उद्योग एवं आपूर्ति
वी. एन. गाडगिल	- कार्य, खान एवं ऊर्जा

संविधान सभा

- भारत में **संविधान सभा** के गठन का विचार वर्ष **1934 में पहली बार एम० एन. रॉय ने रखा ।**
- 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहली बार भारत के संविधान निर्माण के लिए आधिकारिक रूप से संविधान सभा के गठन की मांग की ।
- 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की स्वतंत्र भारत के **संविधान का निर्माण वयस्क मताधिकार के आधार पर चुनी गई संविधान सभा द्वारा किया जायेगा** । नेहरू की

इस मांग को ब्रिटिश सरकार ने सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया। इसे **1940 के अगस्त प्रस्ताव** के रूप में जाना जाता है।

- **क्रिप्स मिशन 1942 में भारत** आया ।

क्रिप्स मिशन

- लॉर्ड **सर पैथिक लारेंस** (अध्यक्ष)
- ए. वी. अलेक्जेंडर
- सर स्टेफोर्ड क्रिप्स
- कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों के अनुसार **नवंबर 1946 में संविधान सभा का गठन हुआ** | मिशन की योजना के अनुसार संविधान सभा का स्वरूप निम्नलिखित प्रकार का होना था –
- सविधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 389 होनी थी| इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के प्रांतों को और 93 सीटें देसी रियासतों को दी जानी थी |
- हर ब्रिटिश प्रांत एवं देसी रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी जानी थी | आमतौर पर प्रत्येक 10 लाख लोगों पर एक सीट का आवंटन होना था |
- प्रत्येक ब्रिटिश प्रांत को दी गई सीटों का निर्धारण तीन प्रमुख समुदायों के मध्य उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाना था | यह तीन समुदाय थे :- मुस्लिम, सिख व सामान्य (मुस्लिम और सिख को छोड़कर) |
- प्रत्येक समुदाय के प्रतिनिधियों का चुनाव प्रांतीय असेंबली में उस समुदाय के **सदस्यों द्वारा एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था** के अनुसार किया जाना था |
- देसी रियासतों के प्रतिनिधियों का चयन चुनाव द्वारा नहीं, बल्कि रियासत के प्रमुखो द्वारा किया जाना था | स्पष्ट है कि संविधान सभा आंशिक रूप से चुनी हुई और आंशिक रूप से निम्नांकित सभा थी |

उपरोक्त योजना के अनुसार ब्रिटिश भारत के लिए आवंटित 296 सीटों के लिए चुनाव जुलाई-अगस्त 1946 में संपन्न हुए | इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा छोटे दलों व निर्दलीय सदस्यों को 15 सीटें मिली | देसी रियासतों को आवंटित की गई 93 सीटें नहीं भर पाए क्योंकि उन्होंने खुद को संविधान सभा से अलग रखने का निर्णय ले लिया था | आक्षेप किया जा सकता है कि संविधान सभा का चुनाव भारत के वयस्क मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से नहीं हुआ था | तब भी यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि इसमें प्रत्येक समुदाय :- हिंदू, मुस्लिम, सिख, पारसी, आंग्ल भारतीय, भारतीय ईसाई, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों को स्थान प्राप्त हुआ था | इसमें पुरुषों के साथ पर्याप्त संख्या में महिलाएँ भी थी | महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना को छोड़ दे तो सभा में उस समय के भारत के सभी प्रसिद्ध व्यक्तित्व शामिल थे |

उद्देश्य प्रस्ताव :-

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को वर्तमान संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में हुई | मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार किया और अलग पाकिस्तान की मांग उठाई | सभा के सबसे **वरिष्ठ सदस्य डॉ सच्चिदानंद सिन्हा** को सभा का **अस्थाई अध्यक्ष बनाया गया | 2 दिन** पश्चात **11 दिसंबर 1946 को डॉ राजेंद्र प्रसाद को** सभा का **स्थाई अध्यक्ष बनाया** गया, इसके **2 दिन** पश्चात **13 दिसंबर 1946 को पंडित नेहरु ने संविधान** सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पारित किया जो 22 जनवरी 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकृत किया गया| संक्षेप में इस प्रस्ताव की मुख्य बातें निम्नलिखित थी :-

- भारत को एक स्वतंत्र तथा संप्रभु गणराज्य के रूप में स्थापित किया जाए |
- भारत की संप्रभुता का स्रोत भारत की जनता होगी|
- इस गणराज्य में भारत के समस्त नागरिकों को राजनीतिक, आर्थिक तथा सामाजिक समानता प्राप्त होगी|
- भारत के समस्त नागरिक को विचार, अभिव्यक्ति,संस्था बनाने,कोई व्यवसाय करने,किसी भी धर्म को मानने या न मानने कि स्वतंत्रता होगी|
- अल्पसंख्यकों,अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के हितों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त उपाय किए जाएंगे |
- देश की एकता को स्थायित्व प्रदान किया जाएगा |
- भारत की प्राचीन सभ्यता को उसका उचित स्थान व अधिकार दिलाया जाएगा तथा विश्व शांति व मानव कल्याण में उसका योगदान सुनिश्चित किया जाएगा|

इस प्रकार उद्देश्य प्रस्ताव उन भावनाओं व इच्छाओं का सूचक था, जिसकी उपलब्धि के लिए भारतवासी पिछले कई वर्षों से संघर्ष कर रहे थे | यही उद्देश्य प्रस्ताव संविधान की 'प्रस्तावना' का आधार बना और इसी ने संपूर्ण संविधान के दर्शन को मूर्त रूप प्रदान किया |

संविधान सभा की कार्य प्रणाली

अस्थायी अध्यक्ष	-	सच्चिदानन्द सिन्हा
अध्यक्ष	-	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
उपाध्यक्ष	-	डॉ. एच. सी मुखर्जी, वी.टी. कृष्णामाचारी

❖ 13 दिसम्बर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।

संविधान सभा के अन्य कार्य

- मई 1949 में राष्ट्रमंडल में भारत की सदस्यता ।
- 22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया ।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान को अपनाया ।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रीय गीत को अपनाया ।
- **24 जनवरी 1950 को राजेन्द्र प्रसाद को भारत के पहले राष्ट्रपति चुनना ।**

तथा वायु प्रवाह तन्त्र पर इसके प्रभाव पड़ने की कल्पना की गई है। पेरू तट के निकट सामान्य से कम वायुदाब हो जाने के कारण यहाँ से दक्षिणी - पूर्वी व्यापारिक पवनों को धकेलने वाला बल (Push Factor) क्षीण हो जाता है।

- इसके स्थान पर यहाँ व्यापारिक पवनों को आकर्षित करने वाला या खींचने वाला बल (Pull Factor) प्रभावी हो जाता है।
- इसके कारण इन व्यापारिक पवनों का एशिया की ओर प्रवाह भी कमजोर पड़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप भारत में ग्रीष्मकालीन मानसून के देरी से आने की तथा कमजोर होने की सम्भावनाएँ व्यक्त की जाती हैं।

अध्याय – 5

प्रमुख नदियाँ एवं झीलें

अपवाह द्रोणी –

एक नदी व उसकी सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को अपवाह क्षेत्र कहते हैं।

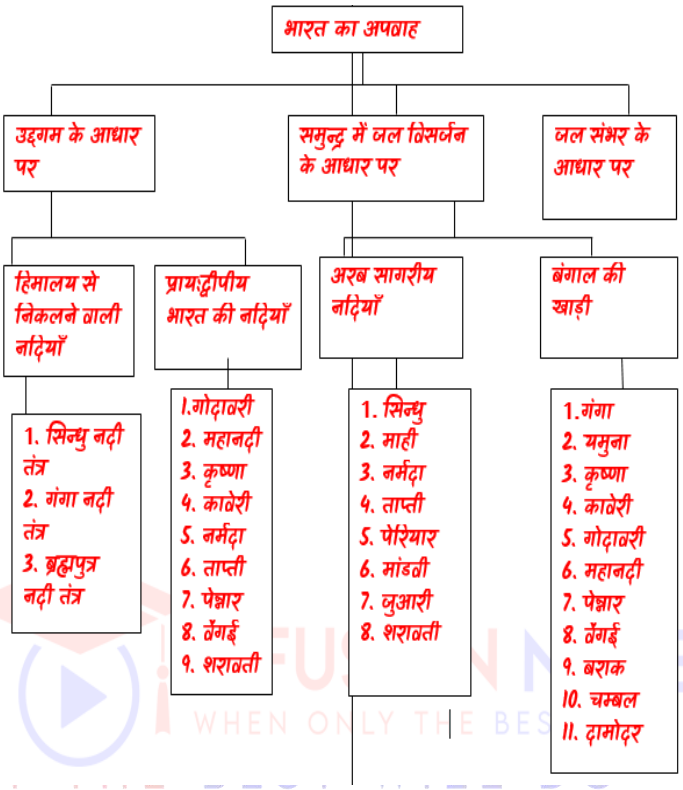

- कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 77 प्रतिशत भाग, जिसमें गंगा, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा आदि नदियाँ शामिल हैं। बंगाल की खाड़ी में जल विसर्जित करती हैं,
- जबकि 23% भाग जिसमें सिन्धु, नर्मदा, तापी, माही व पेरियार नदियाँ शामिल हैं। अपना जल अरब सागर में गिराती हैं।
- नदी अपना जल किसी विशेष दिशा में बहाकर समुद्र में मिलाती हैं, यह कई कारकों पर निर्भर करता हैं। जैसे भूतल का ढ़ाल, भौतिक संरचना, जल प्रवाह की मान एवं जल का वेग।

हिमालयी अपवाह तंत्र

- हिमालय से निकलने वाली नदियाँ बर्फ़ और ग्लेशियरों(हिमानी या हिमनद) के पिघलने से बनी हैं अतः इनमें पूरे वर्ष के दौरान निरन्तर प्रवाह बना रहता है।

सिन्धु नदी तंत्र

- यह विश्व की सबसे बड़ी नदी श्रेणियों में से एक हैं, जिसका क्षेत्रफल 11 लाख, 65 हजार वर्ग km हैं। भारत में इसका क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग किमी हैं।

- सिन्धु नदी की कुल लंबाई 2,880 किमी. है। परंतु भारत में इसकी लम्बाई केवल 1,114 km हैं। भारत में यह हिमालय की नदियों में सबसे पश्चिमी नदी हैं।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बती क्षेत्र में स्थित कैलाश पर्वत श्रेणी (मानसरोवर झील) में बोखर-चू के निकट एक ग्लेशियर (हिमनद) से होता है। तिब्बत में इसे शेर मुख अथवा सिंगी खंबान कहते हैं।
- सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम सिन्धु नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।
- अन्य सहायक नदियाँ - जास्कर, स्यांग, शिगार, गिलगिट, श्योक, हुंजा, कुर्रम, जुबरा, गास्टिंग व द्रास, गोमल।
- अंततः यह नदी अटक (पंजाब प्रांत, पाकिस्तान) के निकट पहाड़ियों से बाहर निकलती हैं। जहाँ दाहिने तट पर काबुल, तोची, गोमल, विबोआ और संगर नदियाँ इसमें मिलती हैं।
- यह नदी दक्षिण की ओर बहती हुई मिठनकोट के निकट पंचनद का जल प्राप्त करती हैं। पंचनद नाम पंजाब की पाँच मुख्य नदियों सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम को संयुक्त रूप से दिया गया हैं।

सिन्धु की प्रमुख सहायक नदियाँ :-

1. सतलुज नदी
2. व्यास नदी
3. रावी नदी
4. चिनाब नदी
5. झेलम नदी

सिन्धु जल संधि (1960)

तीन पूर्वी नदियों - व्यास, रावी, सतलुज का नियंत्रण भारत तथा 3 पश्चिमी नदियों सिन्धु, झेलम, चेनाब का नियंत्रण पाकिस्तान को दिया गया -

1.व्यास, रावी, सतलुज	80% पानी भारत
	20% पानी पाकिस्तान
2.सिन्धु, झेलम, चिनाब	80% पानी पाकिस्तान
	20% पानी भारत

सतलज नदी -

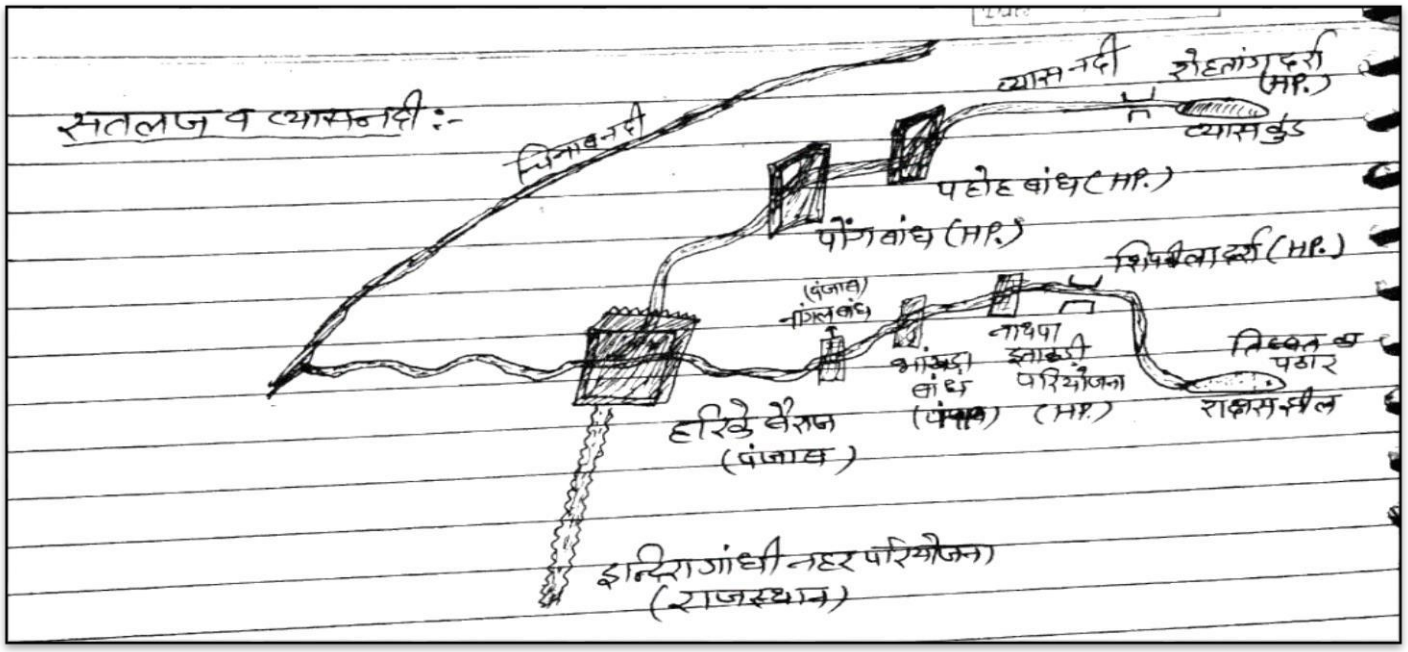

यह एक पूर्ववर्ती नदी हैं जो तिब्बत में लगभग 4,555 मीटर की ऊँचाई पर मानसरोवर के निकट राक्षस ताल झील से निकलती हैं। जहाँ इसे **लॉगचेन खंबाब** के नाम से जाना जाता हैं।

- यह उत्तर - पश्चिम दिशा में बहते हुए इंड़ो - तिब्बत सीमा के समीप **शिपकी ला दर्रे** के पास भारत में प्रवेश करने से पहले लगभग 400 km तक सिन्धु नदी के समान्तर बहते हुए अंत में चिनाब नदी में मिल जाती हैं।
- प्रवाह क्षेत्र- हिमाचल प्रदेश, पंजाब
- सतलुज, सिन्धु नदी की महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं।
- इस नदी पर हिमाचल प्रदेश में नाथपा झाकड़ी परियोजना तथा भाखड़ा बाँध व इसके पीछे गोविन्द साग़र जलाशय तथा पंजाब के रोपड़ में नांगल बाँध बना हुआ हैं।

व्यास नदी (विपाशा नदी)

- यह सिन्धु की एक अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं। रोहतांग दर्रे के निकट व्यास कुंड से निकलती हैं।
- प्रवाह क्षेत्र- हिमाचल प्रदेश, पंजाब
- यह नदी कुल्लू घाटी से गुजरती हैं। तथा धौलाधर श्रेणी में काती और लारगी में महाखण्ड का निर्माण करती हैं।
- यह पंजाब के मैदान में प्रवेश करती हैं जहाँ हरिके बैराज के पास सतलुज नदी में जा मिलती हैं।

रावी नदी (परुष्णी नदी)

यह नदी सिन्धु की अन्य महत्त्वपूर्ण सहायक नदी हैं जो हिमालय की कुल्लू की पहाड़ियों में स्थित रोहतंग दर्रे के पश्चिम से निकलती हैं तथा चंबा घाटी से होकर बहती हैं।

- प्रवाह क्षेत्र- हिमाचल प्रदेश, पंजाब

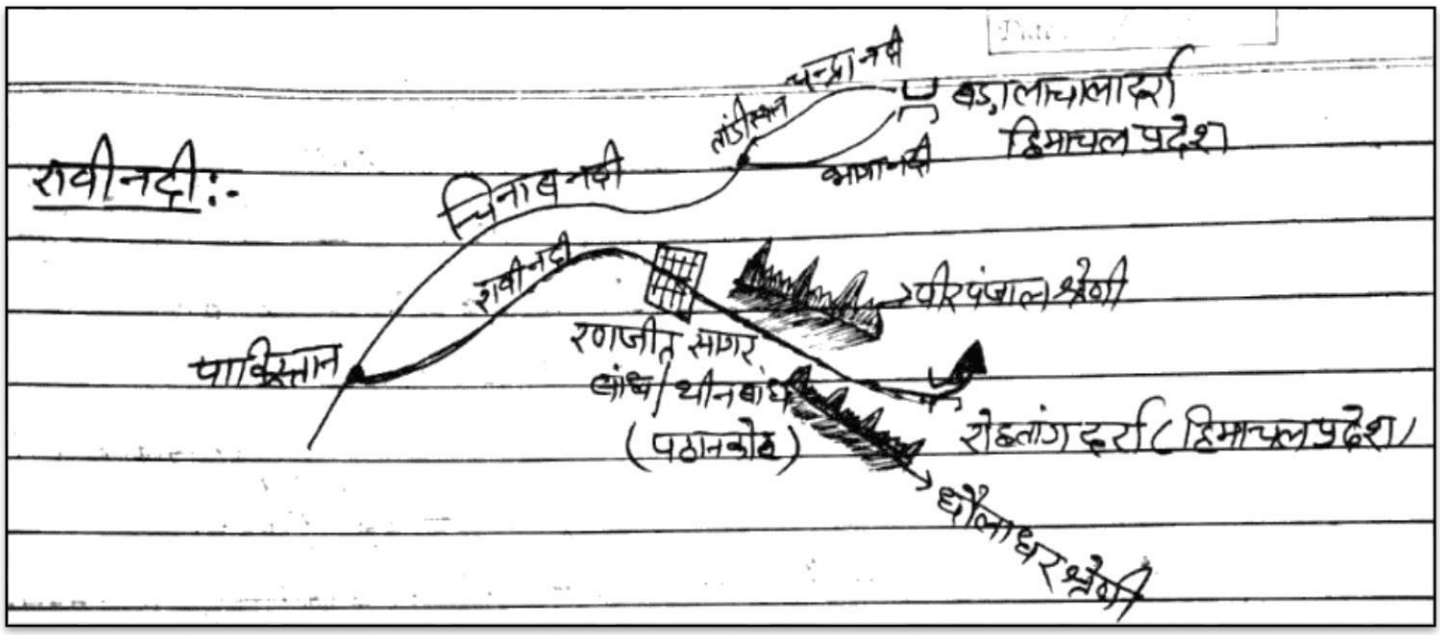

पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले व सराय सिन्धु के निकट चिनाब नदी में मिलने से पहले यह नदी पीरपंजाल के दक्षिण-पूर्वी भाग व धौलाधर के बीच से प्रवाहित होती हैं।

- *इस नदी पर पठानकोट(पंजाब) के निकट थीन बाँध / रणजीत सागर बाँध बना हुआ है।*

चिनाब नदी (अस्किनी)

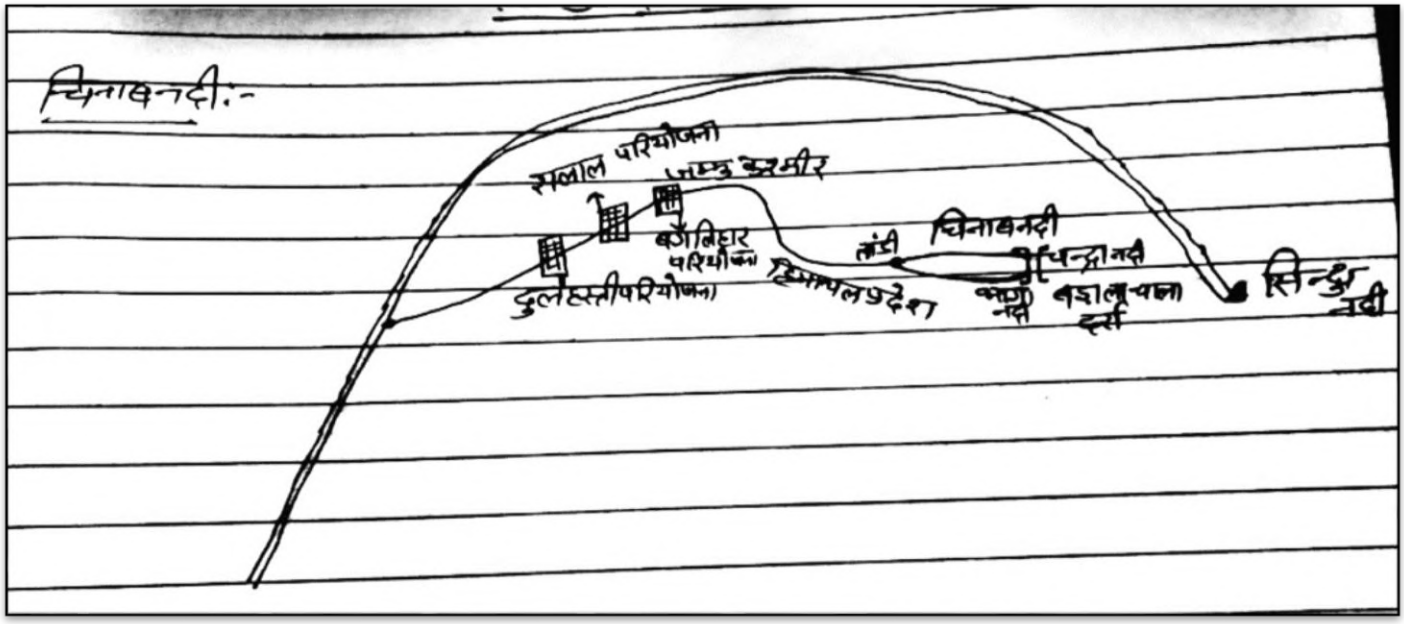

यह सिन्धु की सबसे बड़ी सहायक नदी हैं।

- *इसका उद्गम हिमाचल प्रदेश के निकट बड़ालाचला दर्रे से चंद्रा और भागा नामक दो सरिताओं के मिलने से होता हैं ये सरिताएँ हिमाचल प्रदेश में केलांग के निकट तांड़ी में आपस में मिलती हैं।*
- *इसलिए इसे चंद्रभागा के नाम से भी जाना जाता हैं।*
- *पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले भारत में इस नदी का बहाव क्षेत्र 1,180 कि.मी. हैं।*
- *प्रवाह क्षेत्र- हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर*

इस नदी पर जम्मू कश्मीर में बगलीहार परियोजना, दुलहस्ती परियोजना व सलाल परियोजना का निर्माण किया गया है।

झेलम नदी (वितस्ता)

यह सिन्धु की सहायक नदी हैं, जो कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीरपंजाल गिरिपद में स्थित वेरीनाग के निकट शेषनाग झरने से निकलती हैं।

- *प्रवाह क्षेत्र- जम्मू कश्मीर*
- *पाकिस्तान में प्रवेश करने से पहले यह नदी श्रीनगर और वुलर झील से बहते हुए एक तंग व गहरे महाखण्ड से गुजरती हैं। पाकिस्तान में झंग के निकट यह चिनाब नदी से मिलती है।*

दायीं ओर से ब्रह्मपुत्र मे मिलने वाली अंतिम नदी चाँदपुर (बांग्लादेश) के निकट पद्मा में विलेय।

बराक

उद्गम- मणिपुर
इस नदी पर मणिपुर में प्रस्तावित तिपाईमुख पनबिजली परियोजना भारत व बंगलादेश के मध्य विवादित है ।

NOTE- सबसे स्वच्छ गाँव- मलिनजोग (मेघालय)
भारत की सबसे स्वच्छ नदी- उमलगोट (मेघालय)
विश्व का सबसे बड़ा नदी निर्मित द्वीप - माजुली (असम)

प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र :-

- हिमालयी नदी तंत्र की तुलना में प्रायद्वीप नदी तंत्र अधिक पुराना हैं ।
- पश्चिमी घाट बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियों व अरब सागर में गिरने वाली नदियों के बीच जल विभाजक का कार्य करती हैं ।
- प्रायद्वीपीय भारत की नदियों की प्रौढ़वस्था व नदी घाटियों का चौड़ा व उथला होना, इसके प्राचीन होने का प्रमाण हैं ।
- प्रायद्वीपीय नदियाँ पश्चिम से पूर्व दिशा में बहती हैं ।
- नर्मदा एवं ताप्ती इनके विपरीत बहती हैं ।
- हिमालय के उत्थान के साथ नर्मदा व ताप्ती नदियों का भ्रंश घाटियों का निर्माण हुआ हैं ।

1. महानदी
2. गोदावरी
3. कृष्णा
4. कावेरी
5. नर्मदा
6. ताप्ती

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियां :-

महानदी –

- यह छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में सिहावा के पास से निकलती हैं ।
- इसकी कुल लम्बाई लगभग 851 किलोमीटर है ।
- ओड़िशा में बहते हुए बंगाल की खाड़ी मे गिरती है ।
- इस नदी पर छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर, व ओडिशा का प्रसिद्ध नगर कटक स्थित है ।
- इस नदी पर ओडिशा के संबलपुर में भारत का सबसे लंबा बाँध **''हीराकुंड बाँध''** बना हुआ है।
- इसकी प्रमुख सहायक नदी तेल नदी है ।

गोदावरी नदी –

- गोदावरी नदी का उद्गम त्र्यम्बकेश्वर पहाड़ी (नासिक महाराष्ट्र) से होता है ।
- यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लम्बी नदी (1465 किलोमीटर) है ।
- इसका अपवाह तंत्र प्रायद्वीपीय नदियों की तुलना में सबसे बड़ा है ।
- तेलगाना व आंध्रप्रदेश मे बहते हुए राजमुंदरी के पास कई धाराओं में विभक्त होकर डेल्टा का निर्माण करती हैं।
- इसे दक्षिण गंगा तथा वृद्ध गंगा के नाम से जाना जाता है।
- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है पूर्णा, पेनगंगा, वेनंगगा, इन्द्रावती (बाएँ तट से) मंजिरा (दक्षिण तट से) उड़ीसा से निकलती है व बस्तर के पठार (छत्तीसगढ़) मे बहते हुए गोदावरी से मिलती है।

कृष्णा नदी-

- यह सह्याद्रि (महाराष्ट्र) में महाबलेश्वर चोटी से निकलती है
- यह प्रायद्वीपीय भारत की दूसरी सबसे लम्बी नदी (1401 किलोमीटर) है।
- कर्नाटक, तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है यह भी डेल्टा का निर्माण करती है ।
- इस नदी पर आंध्रप्रदेश व तेलंगाना राज्यों की सीमा पर नागार्जुन सागर बाँध बना हुआ है ।
- इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है-
- दाई ओर से – वर्णा, कोयना, पचगंगा, दुधगंगा, घाटप्रभा, मालप्रभा, दूधगंगा, तुगभद्रा
- बाई ओर से – भीमा, मुसी

कावेरी नदी –

- यह कर्नाटक राज्य के कोडागु जिलें की ब्रह्मगिरी की पहाड़ियों से निकलती है ।
- तमिलनाडु में बहते हुए बंगाल की खाड़ी में अपना जल गिराती है यह डेल्टा का निर्माण करती है ।
- इस नदी की कुल लंबाई 800 किमी. है ।
- इसके ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र में (कर्नाटक) दक्षिण - पश्चिम मानसून (गर्मी) से व निम्न क्षेत्रों में (तमिलनाडु) उत्तर पूर्वी मानसून (सर्दी) से वर्षा प्राप्त होती है।
- कावेरी नदी को "दक्षिण भारत की गंगा" के नाम से भी जाना जाता है।
- इस नदी पर कर्नाटक में शिवसमुद्रम जल प्रपात, श्री रंगपट्टनम द्वीप, कृष्ण राज सागर बाँध तथा तमिलनाडु में मेंट्टूर बाँध का निर्माण किया गया है ।
- प्रमुख सहायक नदियाँ हैं - सुवर्णावती, भवानी, अमरावती, कबीनी (दाहिने तट पर)
- हेमावती, अक्रावती (बाएँ तट पर)

पेन्नार नदी –

- यह कर्नाटक के नंदी दुर्ग पहाड़ी से निकलती है तथा आंध्र प्रदेश में बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं।

वैगाई नदी –

- यह तमिलनाडु के वरशानद पहाड़ी से निकलती तथा मदुरई शहर से बहते पाक की खाड़ी में गिरती हैं।

स्वर्ण रेखा नदी –

अध्याय – 3

बहमनी एवं विजयनगर साम्राज्य

- इसकी स्थापना 1347 ईस्वी में तुर्की गवर्नर अलाउद्दीन हसन् बहमन द्वारा हुई।
- जिसे कि हसन् गंगू के नाम से भी जाना जाता है।

बहमनी राज्य

- वर्ष 1347 में हसन् अब्दुल मुजफ्फर अल उद्दीन बहमनशाह के नाम से राजा बना और उसने बहमनी राजवंश की स्थापना की।
- यह राजवंश लगभग 175 वर्ष तक चला और इसमें 18 शासक हुए।
- बहमनी राज्य के सर्वाधिक विशिष्ट व्यक्तित्व महमूद गवन थे, जो दो दशक से अधिक समय के लिए अमीर उल अलमारा के प्रधान राज्यमंत्री रहे।

केंद्रीय प्रशासन

- वकील-उल -सल्तनत- यह प्रधानमंत्री था । सुल्तान के सभी आदेश उसके द्वारा ही पारित होते थे।
- अमीर-ए-जुमला- यह वित्तमंत्री था।
- वजीर-ए-अशरफ- यह विदेश मंत्री था।
- वजीर-ए-कुल- यह सभी मंत्रियों के कार्यों का निरीक्षण करता था
- पेशवा- यह वकील के साथ संयुक्त रूप से कार्य करता था।
- जाजिर- यह अर्थ विभाग से संलग्न था तथा उपमंत्री की भांति कार्य करता था।
- कोतवाल- यह पुलिस विभाग का अध्यक्ष था।
- सद-ए-जाहर (राष्ट्र-ए-जहाँ)- यह सुल्तान के पश्चात् राज्य का मुख्य न्यायाधीश था तथा धार्मिक कार्यों तथा राज्य को दिये जाने वाले दान की भी व्यवस्था करता था।

प्रान्तीय शासन

- प्रान्तीय शासन व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए अपने राज्य को चार सूबों में विभाजित किया।
- गुलबर्गा, दौलताबाद, बरार और बीदर।
- प्रान्तीय गवर्नर अपने-अपने प्रान्त में सर्वोच्च होता था।
- मुहम्मद शाह तृतीय के समय में बहमनी साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार हुआ।
- उसके प्रधानमंत्री महमूद गवन ने प्रशासनिक सुधारों के अन्तर्गत प्रान्तों को आठ सूबों – बरार को गाविल व माहूर में, गुलबर्गा को बीजापुर व गुलबर्गा में, दौलताबाद को दौलताबाद व जुन्नार में तथा बीदर को राजामुंदी और वारंगल में विभाजित किया।

स्थापत्य कला

- गुलबर्गा तथा बीदर के राजमहल, गेसुद राज की कब्र, चार विशाल दरवाजों वाला फिरोज शाह का महल, मुहम्मद आदिल शाह का मकबरा, जामा मस्जिद, बीजापुर की गोल गुम्बद तथा बीजापुर सुल्तानों के मकबरें स्थापत्य कला के उत्कृष्ट नमूने हैं।
- गोल गुम्बद को विश्व के गुम्बदों में श्रेष्ठ माना जाता है।
- गोलकुंडा तथा दौलताबाद के किले भी इसी श्रेणी में आते हैं।

विजयनगर साम्राज

स्थापना

- विजय नगर मध्य युग में दक्षिण भारत का एक हिन्दू राज्य था।
- विजयनगर साम्राज्य की राजधानी तुंगभद्रा नदी के किनारे हम्पी थी।
- विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई० में हरिहर एवं बुक्का नामक दो भाइयों ने की।
- माधवारण्य इनके गुरु थे।
- हरिहर और बुक्का वारंगल के काकतीय राजा रुद्रप्रताप देव के सामंत थे।

विजयनगर के राजवंश

1. संगम वंश - 1336-1485 ई.
2. सालुव वंश - 1485-1505 ई.
3. तुलुव वंश - 1505-1570 ई.
4. अरविडु वंश - 1570-1650 ई.

संगम वंश (1336-1485 ई.)

- इस वंश के संस्थापक हरिहर और बुक्का थे । ये संगम नामक व्यक्ति के पुत्र थे ।

हरिहर (1336-1356 ई.)

- हरिहर प्रथम इस संगम वंश का प्रथम शासक था । अनेगोंडी इसकी राजधानी थी । इसने 1346 में होयसल और 1352-53 ई. में मदुरै जीत लिया।
- हरिहर प्रथम ने अनगोंदी के स्थान पर विजयनगर को अपनी राजधानी बनाया ।
- हरिहर प्रथम की 1336 ई. में मृत्यु हो गयी थी । उसके बाद उसका भाई राजगद्दी पर बैठा ।

बुक्का (1356-1377 ई.)

- हरिहर के बाद उसका भाई बुक्का प्रथम राजा बना।
- 1374 ई.में इसने अपना दूत मंडल चीन भेजा।
- बुक्का प्रथम ने वेदमार्ग प्रतिष्ठापक की उपाधि धारण की।
- अभिलेखों में बुक्का प्रथम को विजयनगर के पूर्वी पश्चमी व् दक्षिणी सागरों का स्वामी कहा जाता था ।
- प्रसिद्ध विजय विट्ठल मंदिर हम्पी में स्थित है ।

हरिहर द्वितीय (1377-1406 ई.)

- हरिहर द्वितीय (1377-1404 ई.) ने राजव्यास की उपाधि धारण की ।
- इसने बहमनी राज्य से बेलगाँव और गोवा जीत लिया। इसका मुख्यमंत्री सायण था।

देवराय प्रथम (1406-1422 ई.)

- इन्हें फिरोजशाह बहमन ने पराजित किया। इसे बहमनी सुल्तान के साथ अपनी लड़की का विवाह करना पड़ा तथा

दहेज के रूप में दोआब क्षेत्र में स्थित बाकापुर भी सुल्तान को देना पड़ा, ताकि भविष्य में युद्ध की गुंजाइश न रहे।

- 1410 ई.में तुंगभद्रा पर बाँध बनवाकर अपने राजधानी के लिए जल निकलवाया।
- इसी के काल में इतावली यात्री निकोलोकोंटी ने विजयनगर की यात्रा की, यहाँ के सामाजिक जीवन, त्यौहारों का भी वर्णन अपने वृत्तान्त में किया है।
- इसके दरबार में हरविलास तथा तेलुगू कवि श्री नाथ थे।

देवराय द्वितीय (1422-1446 ई.)

- यह बुक्का का पुत्र था। इनके अभिलेख पुरे विजयनगर साम्राज्य में प्राप्त हुआ है।
- इनके अभिलेखों से ज्ञात होता है कि इन्हें गजबेटकर अर्थात् हाथियों का शिकारी की उपाधि मिली।
- इनको इम्माडी देवराय या प्रौढ़ देवराय भी कहा जाता था।
- फारस के दूत अब्दुर्रज्जाक ने विजयनगर साम्राज्य का 1443 ई में भ्रमण किया।

मल्लिकार्जन (1446-1465 ई.)

- यह देवराय द्वितीय का उत्तराधिकारि एवं ज्येष्ठ पुत्र था ।

विरू पाक्ष

- मल्लिकार्जुन के उत्तराधिकारी विरूपाक्ष द्वितीय एक अयोग्य शासक था।

सालव वंश (1485-1505 ई.)

- नरसिंह सालुव ने 1485 ई. विजयनगर में सालव वंश की स्थापना की। इसे प्रथम बलापहार कहा गया।
- 1505 ई में नरसा नायक के पुत्र वीर नरसिंह ने शासक की हत्या कर तुलुव वंश की स्थापना की।

तुलुव वंश (1505-1570 ई.)

वीर नरसिंह

- वीर नरसिंह के इस तरह राज गद्दी पर अधिकार करने को विजय नगर साम्राज्य के इतिहास में द्वितीय बलापहार की संज्ञा दी गई।

कृष्ण देवराय (1509-1529 ई.)

- कृष्ण देवराय न केवल तुलुव वंश का अपितु पूरे विजयनगर का सर्वश्रेष्ठ शासक था। इसने अपनी विजयों को सांस्कृतिक उपलब्धियों से विजय नगर सम्राज्य को अपने समय में सर्वश्रेष्ठ बना दिया।
- विजयनगर के शासक कृष्ण देवराय ने गोलकुंडा का युद्ध कुली कुतुबशाह के साथ हुआ था ।
- बाबर ने अपनी पुस्तक बाबरनामा में कृष्ण देवराय की प्रशंसा की है।
- तालीकोटा (राक्षसी-तंगड़ी) का युद्ध 1565 में हुआ था ।
- **विजयें:-** गजपति शासकों के विरुद्ध विजय:-गजपतियों का शासन उड़ीसा में स्थापित था ।

कृष्ण देवराय की उपाधियाँ

- **यवन राज्य स्थापनाचार्य-:** कृष्ण देवराय ने बहमनी शासक महमूद शाह को दक्षिण की लोमड़ी के नाम से प्रसिद्ध बीदर के चंगुल से मुक्त करवाया इसके उपलक्ष्य में उसने यवन राज्य स्थापनाचार्य की उपाधि धारण की।
- **आन्ध्रभोज अथवा अभिनव भोज अथवा आन्ध्र पितामह-:**कृष्ण देवराय स्वयं प्रसिद्ध विद्वान था। उसे कई पुस्तकों को लिखने का श्रेय दिया जाता है। इसके दरबार में भी तेलगू साहित्य के आठ प्रसिद्ध विद्वान रहते थे । जिन्हें अष्ट दिग्गज कहा जाता था। इसी कारण कृष्ण देवराय को आन्ध्र भोज कहा जाता है।

कृष्ण देव राय की पुस्तकें

- आमुक्त माल्यद:-तेलगू भाषा में यह राजनीति शास्त्र पर लिखी गई पुस्तक है । इसे विश्ववित्तीय भी कहा जाता है ।
- ऊषा परिणय:-यह संस्कृत में लिखी पुस्तक है।
- जाम्बवती कल्याण-:यह भी संस्कृत में लिखी पुस्तक है।
- प्रसिद्ध विजयनगर शासक कृष्ण देवराय के अधीन तेलुगू साहित्य का स्वर्ण युग था ।

अष्ट दिग्गज:-

- कृष्ण देव राय के दरबार में तेलगू साहित्य के आठ प्रसिद्ध विद्वान थे जिन्हें अष्ट दिग्गज कहा जाता था।
- अल्सनी पेड्डुन:-ये सर्वाधिक महत्वपूर्ण विद्वान थे। इन्हें तेलगु कविता के पितामह की उपाधि दी गयी । इनकी पुस्तक मनु चरित है । स्वारो चित्र संभव, हरिकथा सरनसंभू, की भी रचना की।
- तेनाली रामकृष्ण:-इनकी पुस्तक का नाम" पाण्डुरंग महात्म इसकी गणना पाँच महाकाव्यों (तेलगू भाषा के) में की जाती है।
- नदी तिम्मन-:इनकी पुस्तक पराजित हरण है।
- भट्टमूर्ति:-अलंकार शास्त्र से सम्बन्धित पुस्तक नरस भू पालियम इनकी रचना है।
- धू-जोटे:-पुस्तक कल हस्ति महात्म है।
- भोग्यगीर मल्लनम:-पुस्तक, राजशेखर चरित,
- अच्युतराज रामचन्द्र:-पुस्तक, रामाभ्युदय, सकल कथा सार संग्रह ।
- जिंगली सूरत-: पुस्तक राघव पाण्डवीय
- अपने प्रसिद्ध तेलुगू ग्रन्थ अमुक्त माल्यद में अपने राजनीतिक विचारों एवं प्रशासनिक नीतियों का विवेचन किया है।
- इनके दरबार को तेलुगू के आठ महान् विद्वान् एवं कवि (जिन्हें अष्ट दिग्गज कहा जाता है।) सुशोभित करते थे। अतः कृष्ण देवराय को आन्ध्र भोज भी कहा जाता है। अष्ट

अतिरिक्त 10,000 ऊँट, 180 लेखपाल, 100 हिजड़े, 200 लोहार, 200 बड़ई और 100 पत्थर तराश, 7000 घोड़े अपने साथ लेकर गया था ।

- नादिर शाह, शाहजहाँ द्वारा बनवाया गया मयूर सिंहासन (तख्त-ए-ताउस) जिसकी कीमत 2,0000000 थी अपने साथ ले गया ।
- नादिरशाह विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी अपने साथ ले गया।
- मुगल सम्राट मोहम्मद शाह ने अपनी पुत्री का विवाह नादिरशाह के पुत्र नसीरुल्लाह से कर दिया ।

सम्राट अहमदशाह (1748-1754 ई.)

- यह मोहम्मद शाह का पुत्र था जिसका जन्म ऊधम बाई नर्तकी के गर्भ से हुआ था ।
- इसके शासनकाल में"अहमद शाह अब्दाली"ने भारत पर आक्रमण किया था।
- इसने अपने प्रिय हिजड़ों के सरदार जावेद खाँ को नवाब बहादुर की उपाधि दी।
- अहमद शाह अब्दाली ने भारत पर कुल 7 बार आक्रमण किया ।

अहमदशाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण

- अहमदशाह अब्दाली को दुर्रे-दुरानी' अर्थात् युग का मोती की उपमा दी गई है।
- अब्दाली ने पुनः भारत पर पाँचवा आक्रमण किया, जिसे पानीपत का तृतीय युद्ध (14 जनवरी 1761) हुआ, जिसमें मराठों की हार हुई।
- पानीपत के तृतीय युद्ध के समय मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय था।

आलमगीर द्वितीय (1754-1758 ई०)

- आलमगीर द्वितीय इसका वास्तविक नाम अजीमुद्दीन था ।
- इसने औरंगजेब की उपाधि आलमगीर धारण की और अपने आपको'आलमगीर द्वितीय'के नाम से घोषित किया।
- इस सम्राट के शासन काल में 1757 में प्लासी का युद्ध हुआ। जिसमें ईस्ट इंडिया कम्पनी की जीत हुई और भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव पड़ी ।

शाह आलम द्वितीय (1759-1806 ई.)

- शाह आलम द्वितीय इसका वास्तविक नाम अली गौहर था।
- यह आलमगीर द्वितीय का पुत्र था।
- अपने पिता की हत्या के समय अली गौहर'पटना' में था, जहाँ इसने शाहआलम द्वितीय की उपाधि धारण की।
- 1806 ई० में शाहआलम द्वितीय की मृत्यु हो गई ।
- शाह आलम द्वितीय प्रथम मुगल बादशाह था जो अंग्रेजों का पेंशनर बना ।

अकबर शाह द्वितीय (1806-1837 ई०)

- शाहआलम द्वितीय की मृत्यु के बाद उसका पुत्र अकबर द्वितीय अंग्रेजों के संरक्षण में बादशाह बना ।
- इसके समय में 1835 ई० में मुगलों की टकसाले बंद हो गई,और अंग्रेजी सिक्कों का प्रचलन आरम्भ हुआ।
- इसने अपनी पेंशन प्राप्त करने हेतु दूत के रूप में राममोहन राय को राजा' की उपाधि देकर 1831 ई० में ब्रिटेन भेजा ।
- अंग्रेजों को सर्वप्रथम दीवानी का अधिकार शाह आलम द्वितीय ने दिया था।
- मुगलानी बेगम मुगल बादशाह आलमगीर द्वितीय के समय पंजाब की एक महिला सूबेदार थीं।
- मुस्लिम शासकों में इब्राहीम शाह द्वितीय को उसकी प्रजा जगतगुरु कहकर बुलाती थी ।

पानीपत का तृतीय युद्ध (14 जनवरी 1761)

- पानीपत का तृतीय युद्ध बालाजी बाजीराव के समय में हुआ था।
- यह युद्ध 14 जनवरी 1761 ई० में हुआ।
- यह युद्ध अहमदशाह अब्दाली तथा मराठों के मध्य हुआ, युद्ध में मराठों की हार हुई।
- इब्राहीम खाँ गर्दी का भारी तोपखाना इस युद्ध में उपयोगी सिद्ध नहीं हुआ जबकि अब्दाली की ऊँटो पर रखी घुमने वाली तोपों ने मराठो का सर्व नाश कर दिया ।

अंग्रेज – मराठा संघर्ष के अंतर्गत होने वाली प्रमुख संधियाँ

संधियाँ	वर्ष
सूरत की संधि	1775
पुरन्दर की संधि	1776
बढ़ गावं की संधि	1779
सालबई की संधि	1782
बसीन की संधि	1802
देवगावं की संधि	1803
सुर्जी अर्जुन गावं की संधि	1803
राजापुर घाट की संधि	1804
नागपुर की संधि	1816
ग्वालियर की संधि	1817
पूना की संधि	1817
मंदसौर की संधि	1818

आंग्ल-मराठा युद्ध,सूरत की संधि

- 7 मार्च 1775 ई. को बम्बई की अंग्रेजी सरकार एवं रघुनाथ राव के मध्य 'सूरत की संधि' हुई।
- आंग्ल मराठा युद्ध (1775-82 ई.)
- द्वितीय आंग्ल- मराठा युद्ध(1803-06 ई.
- तृतीय आंग्ल मराठा युद्ध (1817-1818 ई.)
- यह युद्ध पेशवा एवं अंग्रेजों के मध्य हुआ, जिसमें अंग्रेजों की जीत हुई।
- सरंजामी प्रथा का संबंध मराठा भू-राजस्व प्रथा से था ।

विविध

- **महत्वपूर्ण दिवस**

जनवरी	समारोह की तिथि
विश्व शांति दिवस, सेना चिकित्सा कोर स्थापना दिवस, वैश्विक परिवार दिवस	1 जनवरी
विश्व ब्रेल दिवस	4 जनवरी
विश्व युद्ध अनाथ दिवस	6 जनवरी
अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस स्थापना दिवस	8 जनवरी
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
विश्व हिंदी दिवस	10 जनवरी
लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि	11 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद का जन्म दिवस)	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
लाल बहादुर शास्त्री पुण्य-तिथि	11 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
NDRF स्थापना दिवस	19 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
पराक्रम दिवस	23 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	24 जनवरी
राष्ट्रीय मतदाता दिवस	25 जनवरी
राष्ट्रीय पर्यटन दिवस	25 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस	26 जनवरी
अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मृति दिवस	27 जनवरी
लाला लाजपत राय जयंती	28 जनवरी
डेटा सुरक्षा दिवस	28 जनवरी
विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस	30 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी

फरवरी	समारोह की तिथि
भारतीय तटरक्षक दिवस	1 फरवरी
विश्व आद्रभूमि दिवस	2 फरवरी
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मानव भ्रातृत्व दिवस	4 फरवरी
श्रीलंका का स्वतंत्रता दिवस	4 फरवरी
महिला जननांग विकृति के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस	6 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय विकास सप्ताह	7 फरवरी
सुरक्षित इंटरनेट दिवस (फरवरी के दूसरे सप्ताह के दूसरे दिन)	7 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय मिर्गी दिवस	8 फरवरी
विश्व दाल दिवस	10 फरवरी
राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस	10 फरवरी
विज्ञान में बालिकाओं तथा महिलाओं का दिवस	11 फरवरी
विश्व यूनानी दिवस	11 फरवरी
एंटी स्मगलिंग डे	11 फरवरी
राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस	12 फरवरी
डार्विन दिवस	12 फरवरी
अब्राहम लिंकन का जन्मदिन	12 फरवरी
विश्व रेडियो दिवस	13 फरवरी
राष्ट्रीय महिला दिवस (सरोजिनी नायडू की जयंती)	13 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
अंतर्राष्ट्रीय बचपन कैंसर दिवस	15 फरवरी
ताज महोत्सव	18 फरवरी
मृदा स्वास्थ्य कार्ड दिवस	19 फरवरी
विश्व सामाजिक न्याय दिवस	20 फरवरी
विश्व पैंगोलिन दिवस (फरवरी का तीसरा शनिवार	20 फरवरी
अरुणाचल प्रदेश का स्टेटहुड दिवस	20 फरवरी

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	21 फरवरी
विश्व चिंतन दिवस	22 फरवरी
विश्व स्काउट दिवस	22 फरवरी
विश्व शांति और समझ दिवस	23 फरवरी
केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस	24 फरवरी
राज्य बालिका संरक्षण दिवस (तमिलनाडु)	24 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
विश्व एनजीओ दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
दुर्लभ रोग दिवस	28 फरवरी
मार्च	**समारोह की तिथि**
विश्व नागरिक सुरक्षा दिवस	1 मार्च
शून्य भेदभाव दिवस	1 मार्च
सिविल लेखा दिवस	1 मार्च
विश्व समुद्री घास दिवस	1 मार्च
कर्मचारी प्रशंसा दिवस	2 मार्च
विश्व श्रवण दिवस	3 मार्च
विश्व वन्यजीव दिवस	3 मार्च
यौन शोषण विरोध दिवस	4 मार्च
राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
राष्ट्रीय फार्मेसी शिक्षा दिवस	6 मार्च
जनऔषधि दिवस	7 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
CISF स्थापना दिवस	10 मार्च
National Gestational Diabetes Mellitus (GDM) Awareness Day	10 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला न्यायाधीश दिवस	10 मार्च
विश्व किडनी दिवस (मार्च के दुसरे गुरुवार)	11 मार्च
विश्व रोटरैक्ट दिवस	13 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस	14 मार्च
नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस	14 मार्च
विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस	15 - मार्च
राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस	16 मार्च
ऑर्डिनेंस फैक्ट्री डे	18 मार्च
Global Recycling Day	18 मार्च
विश्व निद्रा दिवस	19 मार्च
विश्व खुशहाली दिवस	20 मार्च
विश्व गौरैया दिवस	20 मार्च
World Oral Health Day	20 मार्च
संयुक्त राष्ट्र फ्रेंच भाषा दिवस	20 मार्च
विश्व वानिकी दिवस	21 मार्च
विश्व कविता दिवस	21 मार्च
विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस	21 मार्च
अन्तर्राष्ट्रीय नस्लीय भेदभाव उन्मूलन दिवस	21 - मार्च
विश्व कठपुतली दिवस	21 - मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
World Meteorological Day	23 मार्च
शहीद दिवस	23 मार्च (भगतसिंह, सुखदेव व राजगुरू का बलिदान दिवस) and 30 जनवरी
विश्व मौसम विज्ञान दिवस	23 मार्च
विश्व क्षय रोग दिवस	24 - मार्च
असम राइफल्स स्थापना दिवस	24 - मार्च
गुलामी का शिकार लोगों और खरीदे या बेचे गए गुलामों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस	25 - मार्च
बांग्लादेश का स्वतंत्रता दिवस व राष्ट्रीय दिवस	26 - मार्च

बेल्जियम	ब्रुसेल्स	यूरो
डेनमार्क	कोपेनहेगन	क्रोन
फ्रांस	पेरिस	यूरो
स्पेन	मद्रिद	यूरो
पुर्तगाल	लिस्बन	यूरो
इटली	रोम	यूरो
बुल्गारिया	सोफिया	लेवा
ग्रेट ब्रिटेन	लन्दन	पाउंड स्टर्लिंग
रूस	मास्को	रूबल
पोलैंड	वॉरसॉ	जिलोटी
हंगरी	बुडापेस्ट	फ्लोरिंट
नॉर्वे	ओस्लो	क्रौन
जर्मनी	बर्लिन	यूरो
नीदरलैंड	एम्स्टरडम	यूरो
चेक गणराज्य	प्राग (Prague)	कोरुना
स्वीडन	स्टॉकहोम (Stockholm)	क्रोना
स्विट्ज़रलैंड	बर्न	फ्रैंक
यूक्रेन	कीव	हिरविनिया
जॉर्जिया	तिब्लिसी	रूबल
साइप्रस	निकोसिया	यूरो
ऑस्ट्रिया	वियना	स्चिल्लिंग्स
स्लोवाकिया	ब्रातिस्लावा	यूरो
रोमानिया	बुखारेस्ट	ल्यू
आयरलैंड	डबलिन	यूरो

कैस्पियन सागर और उत्तरी अमेरिका के देश		
संयुक्त राज्य अमेरिका	वॉशिंगटन डी.सी	डॉलर
कनाडा	ओटावा	डॉलर
मैक्सिको	मैक्सिको सिटी	पीसो
क्यूबा	हवाना	पीसो
ग्रीनलैंड	रुक (गड्याव)	क्रोन
पनामा	पनामा सिटी	वाल्बोआ
बारबाडोस	ब्रिजटाउन	डॉलर
अलसल्वाडोर	सान सल्वाडोर	कोलन
हैती	पोटओ प्रिंस	गॉर्ड
जमैका	किंग्स्टन	डॉलर
त्रिनिदाद एंड टोबैगो	पोर्ट ऑफ़ स्पेन	डॉलर
दक्षिण अमेरिकी देश		
अर्जेंटीना	ब्यूनस आयर्स	पेसो
ब्राजील	ब्रासीलिया	क्रुजादो
चिली	सेंटियागो	पीसो
कोलम्बिया	बोगोटा	पीसो
फ्रेंच गुयाना	कोयेन्ने	यूरो
पैराग्वे	असुन्सियोन	गुआरानी
पेरू	लीमा	न्यवोसोल
उरुग्वे	मोंटेवीडियो	पीसो
वेनेजुएला	कराकस	बोलिवर
ओशिआनिया क्षेत्र के देश		

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

हरियाणा	पीपल	कमल
हिमाचल प्रदेश	देवदार	बुरांस
झारखण्ड	शाल या साखू	पलाश
कर्नाटक	चन्दन	कमल
केरल	नारियल	अमलतास
मध्य प्रदेश	बरगद	पलाश
महाराष्ट्र	आम	जरुल
मणिपुर	तूना	सिरोय कुमुदिनी
मेघालय	गम्हार	लेडी स्लिपर ऑर्किड
मिजोरम	अंजनी	लाल वांडा
नागालैण्ड	आल्डर वृक्ष	बुरांस
ओडिशा	गूलर	अशोक
पंजाब	शीशम	ग्लेडियोलस
राजस्थान	खेजड़ी	रोहेड़ा
सिक्किम	बुरांस	येस्म लेयी
तमिलनाडु	ताड़	करी हरी
तेलंगाना	खेजड़ी	रानवारा
त्रिपुरा	अगरवुड	नाग केसर
उत्तराखंड	अशोक	ब्रह्म कमल
उत्तर प्रदेश	बुरांस	पलाश
पश्चिम बंगाल	चितौन	शेफाली
अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	अंडमान रेडवुड	अंडमान पाइनामा
चण्डीगढ़	आम	पलाश
दादरा नगर हवेली दमन-दीव	अभी तक नामित नहीं किया गया है	अभी तक नामित नहीं किया गया है
दिल्ली	गुलमोहर	अल्फाल्फा
जम्मू एवं कश्मीर	चिनार	रोडोडेंड्रोन
लद्दाख	अभी तक नामित नहीं किया गया है	अभी तक नामित नहीं किया गया है
लक्षद्वीप	नागदामिनी	नेलाकुरिंजी
पुडुचेरी	बिल्व	नागकेसर

भारत में रामसर आद्रभूमियाँ

राज्य	आद्रभूमियाँ
जम्मू-कश्मीर	वुलर झील,होकेरा आद्रभूमि, सुरिनसर-मानेसर
लद्दाख	त्सो मोरोरी झील
हिमाचल	चंद्रताल, पोंगडैम झील, रेणुका
पंजाब	हरिके झील, कांजली झील, रोपण झील, व्यास कंजेर्वेसन रिजर्व
केरल	अष्टमुदी
राजस्थान	साभर झील, केवालादेव राष्ट्रीय उधान
ओडिशा	चिल्का झील, भीतरकर्णिका मेंग्रोव
आंध्रप्रदेश	कोलेरू झील
असम	दिपोर झील
तमिलनाडु	पॉइंट कैलिमर वन्यजीव अभयारण्य
त्रिपुरा	रुद्रसागर झील
मणिपुर	लोकटक झील
उत्तर प्रदेश	ऊपरी गंगा नदी तंत्र,नबाबगंज पंक्षी अभ्यारण्य, समाना पक्षी अभयारण्य, समसपुर पक्षी अभयारण्य, पार्वती पक्षी अभ्याराण, सांडी पक्षी अभ्यारण्य, सरसई नवार झील, सुर सरोवर
पश्चिम बंगाल	पूर्वी कोलकाता आद्रभूमि, सुंदरबन
मध्यप्रदेश	भोज आद्रभूमि
गुजरात	नल सरोवर पक्षी अभ्यारण्य
महाराष्ट्र	नंदुर मध्मेश्वर, लोनर झील
बिहार	काबरताल आद्रभूमि
उत्तराखंड	आसन कांजेर्वेशन रिजर्व

इसरो के प्रमुख मिशन-2023

चंद्रयान-3

- चंद्रयान-3 चाँद पर खोजबीन करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा भेजा गया तीसरा भारतीय चंद्र मिशन है। इसमें चंद्रयान-2 के समान एक लैंडर और एक रोवर है, लेकिन इसमें ऑर्बिटर नहीं है।
- यह मिशन चंद्रयान-2 की अगली कड़ी है, क्योंकि पिछला मिशन सफलता पूर्वक चाँद की कक्षा में प्रवेश करने के बाद अंतिम समय में मार्गदर्शन सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण उतरने की नियंत्रित प्रकिया में विफल हो गया था, सॉफ्ट लैंडिंग का पुनः सफल प्रयास करने हेतु इस नए चंद्र परियोजना को प्रस्तावित किया गया था।
- चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (शार), श्रीहरिकोटा से 14 जुलाई, 2023 शुक्रवार को भारतीय समय अनुसार दोपहर 2:35 बजे हुआ था। यह यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास की सतह पर 23 अगस्त 2023 को भारतीय समय अनुसार सायं 06:04 बजे के आसपास सफलतापूर्वक उतर चुका है। इसी के साथ भारत चंद्रमा के

दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला और चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गया।

उद्देश्य

- *लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग कराना।*
- *चंद्रमा पर रोवर की विचरण क्षमताओं का अवलोकन और प्रदर्शन।*
- *चंद्रमा की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसके विज्ञान को अभ्यास में लाने के लिए चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध रासायनिक और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करना।*

शुक्रयान-I

- *शुक्र के वातावरण का अध्ययन करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा शुक्र के लिए प्रस्तावित एक ऑर्बिटर है।*
- *इसे दिसंबर 2024 के आसपास लॉन्च किया जाएगा।*
- *शुक्र के एक्सप्लोरेशन के लिए मिशन का उल्लेख 2017-18 के अनुदान ने स्पेस डिपार्टमेंट ने किया गया है।*
- *इसरो ने 2017 में बताया कि सरकार ने मिशन की योजना के लिए मंजूरी दे दी है।*

मंगलयान 2

- *मंगलयान 2 या मार्स ऑर्बिटर मिशन 2 भारत का मंगलयान के बाद मंगल ग्रह के लिए दूसरा मिशन है।*
- *भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा मंगल ग्रह के लिए मिशन को **2024** में लांच किया जायेगा।*
- *यह मिशन अपने साथ ऑर्बिटर, लैंडर तथा रोवर ले के जाएगा।*

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - ⬇ (Proof Video Link)

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न, 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न, 150 में से)

UP Police Constable 2024 - http://surl.li/rbfyn (98 प्रश्न, 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6URO

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या
MPPSC Prelims 2023	17 दिसम्बर	63 प्रश्न (100 में से)
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
RAS Mains 2021	October 2021	52% प्रश्न आये

whatsapp - https://wa.link/oxtupt 1 web.- https://shorturl.at/nuy2B

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS Pre. 2023	01 अक्टूबर 2023	96 प्रश्न (150 मेंसे)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
RPSC EO/RO	14 मई (1st Shift)	95 (120 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Raj. CET Graduation level	07 January 2023 (1st शिफ्ट)	96 (150 में से)
Raj. CET 12th level	04 February 2023 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)
UP Police Constable	17 February 2024 (1st शिफ्ट)	98 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Our Selected Students

Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

Photo	Name	Exam	Roll no.	City
	Mohan Sharma S/O Kallu Ram	Railway Group - d	114195120370022	PratapNagar Jaipur
	Mahaveer singh	Reet Level- 1	1233893	Sardarpura Jodhpur
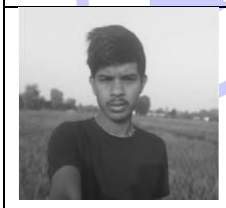	**Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati**	SSC CHSL tier-1	2006018079	Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP
N.A	**Mahender Singh**	EO RO (81 Marks)	N.A.	teh nohar , dist Hanumangarh
	Lal singh	EO RO (88 Marks)	13373780	Hanumangarh
N.A	**Mangilal Siyag**	SSC MTS	N.A.	ramsar, bikaner

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	MONU S/O KAMTA PRASAD	SSC MTS	3009078841	kaushambi (UP)
	Mukesh ji	RAS Pre	1562775	newai tonk
	Govind Singh S/O Sajjan Singh	RAS	1698443	UDAIPUR
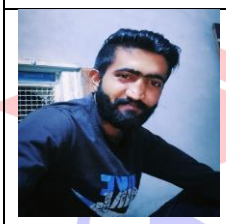	**Govinda Jangir**	RAS	1231450	Hanumangarh
N.A	**Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma**	RAS	N.A.	Churu
	DEEPAK SINGH	RAS	N.A.	Sirsi Road , Panchyawala
N.A	**LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL**	RAS	N.A.	AKLERA , JHALAWAR
N.A	**Ramchandra Pediwal**	RAS	N.A.	diegana , Nagaur

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Monika jangir	RAS	N.A.	jhunjhunu
	Mahaveer	RAS	1616428	village-gudaram singh, teshil-sojat
N.A	**OM PARKSH**	RAS	N.A.	Teshil-mundwa Dis- Nagaur
N.A	**Sikha Yadav**	High court LDC	N.A.	Dis- Bundi
	Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel	Rac batalian	729141135	Dis.- Bhilwara
N.A	**mukesh kumar bairwa s/o ram avtar**	3rd grade reet level 1	1266657	JHUNJHUNU
N.A	**Rinku**	EO/RO (105 Marks)	N.A.	District: Baran
N.A.	**Rupnarayan Gurjar**	EO/RO (103 Marks)	N.A.	sojat road pali
	Govind	SSB	4612039613	jhalawad

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	Jagdish Jogi	EO/RO (84 Marks)	N.A.	tehsil bhinmal, jhalore.
	Vidhya dadhich	RAS Pre.	1158256	kota
	Sanjay	Haryana PCS	96379	Jind (Haryana)

And many others……

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

WhatsApp करें - https://wa.link/oxtupt

Online Order करें - https://shorturl.at/nuyzB

Call करें - 9887809083